Title: Need to work in Hindi language in Hindi speaking states.

श्री हरपाल सिंह साथी (हरिद्वार) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सदन में बहुत सीनियर मैम्बर्स बैठे हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि भारतवर्ष में दो तिहाई लोग ऐसे हैं जो हिन्दी वासी हैं। वे हिन्दी बोलते और समझते हैं। हमारे पार्लियामैंट के अंदर तो आपने प्रावधान किया हुआ है जिससे हमको हिन्दी में भी पेपर मिल जाते हैं। हम हिन्दी बोलते और समझते हैं परन्तु आज भारतवर्ष के अनेक ऐसे दफ्तर हैं जहां पर हिन्दी को इग्नोर करके इंगलिश को थोपा जाता है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हिन्दी हमारी राजभाषा है। हमारी माता है और हम हिन्दी को महारानी और रानी बोलते हैं। ऐसा देखने में आ रहा है कि महारानी का कोई महत्व नहीं है और जो नौकरानी है, वह सिर पर सवार होती जा रही है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री हरपाल सिंह साथी : मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। मैं हिन्दी को थोपना नहीं चाहता। मैं कोई भाषा विरोधी नहीं हूं।

... (व्यवधान)
मैं अंग्रेजी का विरोधी नहीं हूं।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री हरपाल सिंह साथी : मैं यह कहना चाहता हूं कि जो प्रदेश हिन्दीवासी हैं वहां पर हिन्दी का कार्य हिन्दी में ही हो, ऐसा मेरा निवेदन है। मैं आशा करता हूं कि सरकार इस ओर ध्यान देगी और जो हिन्दी प्रदेश हैं, उनमें हिन्दी लागू की जायेगी।

श्री सोमनाथ चटर्जी : उपाध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है? आप थोड़ा कंट्रोल कीजिए।